NBS TV INDIA

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश
जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, बिहार, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड

NBS

न्यू ब्राइट स्टार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

माह, विक्रमी संवत् 2074
वर्ष 12, अंक - 295

मूल्य 2 रुपए, पृष्ठ 12

पलवल, 28 - फरवरी 2019

www.nbsmediagroup.com

email : news4nbsmedia@gmail.com

@Pg 7. ग्लेन मैक्सवेल ने शतक जमाकर ऑस्ट्रेलिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई

@PG. 12 उत्तर कोरिया 'परमाणु ताकत' वाला देश जिससे शांति वार्ता कर रहे हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

एक नजर

जब अमेरिका पाकिस्तान में घुसकर ओसामा को मार सकता है तो कुछ भी हो सकता है : अरुण जेटली

नई दिल्ली, एनबीएस/एजेंसी। केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने बेहद सख्त शब्दों में आतंकियों और उन्हें पनाह देने वाले पाकिस्तान को चेतावनी दी है। अरुण जेटली ने बुधवार को दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब अमेरिका पाकिस्तान में घुसकर ओसामा बिन लादेन को मार सकता है तो कुछ भी हो सकता है। भारत भी ऐसा कर सकता हैं। वित्तमंत्री ने जब यह बातें कही उस वक्त उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे। जेटली ने कहा कि एक वक्त पर कभी सोचा भी नहीं जा सकता था, लेकिन अमेरिका ने कर दिखाया। अमेरिका पाकिस्तान के एबटाबाद में जाकर आतंकी ओसामा बिन लादेन को मार डाला। ये सब बातें बस इच्छा शक्ति की होती है, जो अब संभव है। नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तान स्थित आतंकवादी शिविरों पर हवाई हमलों के लिये केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भारतीय वायुसेना की जमकर तारीफ की। इसके साथ ही, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को पड़ोसी मुल्क की फौज का मुखौटा करार देते हुए तंज कसा कि पूर्व क्रिकेटर द्विपक्षीय राजनीति को भी क्रिकेट का खेल समझ रहे हैं।

सुषमा स्वराज ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ की मुलाकात

पुलवामा मामले पर की चर्चा

चांदनी ठक्कर चौहान/एनबीएस

नई दिल्ली। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने बुधवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह आतंकवादी हमला पाकिस्तान की ओर से जैश-ए-मोहम्मद और उसके नेताओं को मिलने वाली माफी तथा समर्थन का सीधा परिणाम था।

रूस-भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर हुई इस मुलाकात के दौरान स्वराज ने कहा, ''मैं ऐसे वक्त में चीन आयी हूं जब भारत में शोक और गुस्से का माहौल है। यह जम्मू-कश्मीर में हमारे सुरक्षा बलों के खिलाफ सबसे भीषण हमला है।'' उन्होंने कहा, ''यह हमला पाकिस्तान स्थित और समर्थिक संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने किया है।'' गौरतलब है कि 14 फरवरी को आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था जिसमें 40 जवान शहीद हुए थे। वहीं मंगलवार, 26 फरवरी को तड़के भारत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े शिविर को तबाह कर दिया जिसमें लगभग 350 आतंकवादी और उनके प्रशिक्षक मारे गए। पाकिस्तान ने पुलवामा आतंकी हमले के बाद इन आतंकवादियों को उनकी सुरक्षा के लिए इस शिविर में भेजा था। भारतीय वायुसेना का यह हमला अत्यंत त्वरित और सटीक था। यह रेखांकित करते हुए कि जैश-ए-मोहम्मद संयुक्त राष्ट्र और अन्य देशों द्वारा प्रतिबंधित संगठन है, स्वराज ने वांग से कहा कि ''यह आतंकवादी हमला पाकिस्तान की ओर से जैश-ए-मोहम्मद और उसके नेताओं को मिलने वाली माफी तथा समर्थन का सीधा परिणाम था।'' उन्होंने कहा, ''पुलवामा हमले के बाद पूरे संयुक्त राष्ट्र ने समवेत स्वर में इसकी निंदा की।'' मंगलवार सुबह यहां पहुंची स्वराज ने वांग से कहा कि 2019 में यह उनकी पहली बैठक है और ऐसे में यह द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिहाज से दोनों पक्षों के लिए सही समय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वुहान में हुई वार्ता का हवाला देते हुए स्वराज ने कहा कि ''हमारे संबंधों में ठोस प्रगति हुई है।'' उन्होंने वांग से कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए आवश्यक है कि वे अपने नेताओं द्वारा तय दिशा-निर्देशों का सही तरीके से पालन करें। दोनों नेताओं ने प्रयास किया और हमें उसे जारी रखना चाहिए। वांग ने कहा कि पिछले साल वुहान में मोदी और शी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध नए आयाम पर पहुंचा। उन्होंने कहा, ''हमारे द्विपक्षीय संबंधों का हर आयाम ठीक से चल रहा है। दोनों ही राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमारे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर ज्यादा आशान्वित हैं। 2019 में भी हम दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति पर काम करना जारी रखेंगे।

सीमा पर तनाव के चलते 65 हवाई उड़ानें रद्द, दिल्ली की सबसे ज्यादा 47

मुंबई। सीमा पर पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ने के चलते बुधवार को उत्तर भारत के कई हवाईअड्डों से वाणिज्यिक उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इससे विभिन्न हवाईअड्डों से करीब 65 उड़ानें रद्द की गईं। इनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। उड़ान भरने पर सुबह करीब चार घंटे के लिए लगाए गए इस प्रतिबंध के चलते अकेले दिल्ली से 47 उड़ानें रद्द की गईं। वहीं श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, देहरादून, लेह, पठानकोट और शिमला समेत अन्य हवाईअड्डों पर हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) के नागरिक उड़ान गतिविधियों को रोकने से मुंबई से 16 उड़ानों का परिचालन नहीं किया जा सका। हवाईअड्डा अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में रद्द की गई 47 उड़ानों में से 25 को यहां से उड़ान भरनी था जबकि 22 को यहां उतरना था। मुंबई हवाईअड्डे के अधिकारियों के अनुसार 16 में से आठ उड़ानों का आगमन और आठ का प्रस्थान रद्द किया गया। दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत चार उड़ानों का मार्ग दिल्ली के लिए बदल दिया गया। स्पाइस जेट का कहना है कि वह रद्द की गई उड़ानों के यात्रियों को पूरा किराया वापस करेगी। हालांकि, उसने रद्द हुई उड़ानों की संख्या नहीं बतायी है। वहीं, जो लोग उड़ान रद्द करने पर रिफंड के लिए आवेदन नहीं करेंगे वह किसी दूसरी उड़ान के लिए बिना अतिरिक्त शुल्क के फिर से टिकट बुक करा सकते हैं।

संपादकीय

पहाड़ी क्षेत्र में सिमटती कृषि

जगजीत शर्मा
jagjit.editor@gmail.com

अपनी जमीन और फसल बचानी है तो समाधान भी हमें ही ढूंढना पडेगा। समस्या का स्थाई समाधान यह है कि, हमें सामुदायिक रूप से जंगलों को संरक्षित करने में बढ-चढ कर हिस्सा लेना होगा। वन क्षेत्रों में फलदार पेडों का वृक्षारोपण करना होगा। यहाँ पर सामुदायिक रूप से इस लिए भी कहा जा रहा है कि, जंगलों में लगने वाली आग के लिए 90 प्रतिशत इंसान ही जिम्मेदार होता है। कभी प्राकृतिक सुंदरता, स्वस्थ्य वातावरण भरेपूरे जंगल और पहाडी खेती के लिए देश विदेश में विख्यात उत्तराखंड धीरे-धीरे अपनी पहचान खो रहा है। विकास की अंधी दौड ने लोगों की सोंच और रहन सहन का तरीका बदल दिया है। इसका सीधा प्रभाव क्षेत्र की संरचना में नजर आ रहा है। अब यहां जंगलों और प्राकृतिक रूप से निर्मित मकानों की जगह कंक्रीट के घर ने ले ली है। बडे बडे पांच सितारा होटल बनाने और अधिक से अधिक पैसा कमाने की लालच ने लोगों को खेती किसानी से दूर कर दिया है। परिणामस्वरूप राज्य में खेती के लिए भूमि सिकुडती जा रही है।

राजस्व विभाग के आंकडों के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य गठन के समय 9 नवम्बर 2000 को राज्य में 776191 हेक्टेयर कृषि भूमी थी। जो अप्रैल 2011 में घटकर 723164 हेक्टेयर रह गई। इन वर्षों में 53027 हेक्टेयर कृषि भूमी कम हो गई। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि इनते समय अंतराल में औसत 4500 हेक्टेयर प्रतिवर्ष की गति से खेती योग्य जमीन कम हुई है। अगस्त 2018 में उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने प्रदेश में घट रही कृषि भूमि की ओर आम जनों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी, इस विषय पर तात्कालीन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजीव शर्मा और मनोज तिवारी की बेंच ने 226950 किसानों द्वारा पर्वतीय क्षेत्र से पलायन करने पर चिंता जताई थी। इस दौरान कोर्ट ने बीते वर्षों में प्रदेश के जनपदों में क्रमशः अल्मोडा से 36401, पौडी से 35654, टिहरी से 33689, पिथौरागढ से 22936, देहरादून से 20625, चमोली से 18536, नैनीताल से 15075, उत्तरकाशी से 11710, चम्पावत से 11281, रूद्रप्रयाग से 10970, बागेश्वर से 10073 किसानों द्वारा पलायन करने की बात कही थी।

ज्ञात हो कि इस पर्वतीय क्षेत्र में 90 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। लेकिन वर्तमान में केवल 20 प्रतिशत भूमि ही कृषि योग्य बची है, शेष 80 प्रतिशत अप्रयुक्त है या फिर वह बेची जा चुकी है। इस 20 प्रतिशत कृषि भूमि में से भी केवल 12 प्रतिशत ही सिंचित है और 08 प्रतिशत वर्षा आधारित है। शायद इस आंकडों से पहाडी कृषि की स्थिती का अपको थोडा अंदाजा लगने लगा होगा। वास्तविकता को अगर गहराई से देखा जाय तो अंदर स्थिती और भी खराब है। कुछ वर्ष पहले तक बोरियों के हिसाब से अनाज और खाद्यान्न पैदा करने वाला पहाडी किसान, आज अपना पेट भरने के लिए महज 10 से 20 किलों गेंहू और चावल लेने के लिए सस्ते गल्ले की दुकान पर लगी लंबी लाईन में अपनी बारी का इंतजार करते हुए मिलता है। हमारे नीति निर्माताओं ने आज किसान को किस हालत पर पहुँचा दिया है, यह सोचने और विचार करने वाला मुद्दा है। पर्वतीय कृषि का गहराई से अध्ययन करने से पता चलता है कि इसके कई घटक हैं जो इसे सीधे प्रभावित करते हैं। जिसमें विषम भौगोलिक स्थिति, जलवायु, पारिस्थितीकीय तंत्र, जल की उपलब्धता एवं संग्रहण क्षमता, कृषि कार्य का तकनीकी ज्ञान, खेती किसानी के प्रति रहनवासियों का सोचने का नजरिया एवं दूसरें पर निर्भरता, सामाजिक सहयोग, राजनैतिक इच्छा शक्ति, ग्रामीण विकास से जुडे विभागों की कार्य शैली जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं। किन्तु कुछ मूलभूत घटक हैं जो पर्वतीय कृषि और यहाँ के बाशिंदों को बहुत अधिक प्रभावित करते हैं। जिसपर चर्चा करना आवशयक है।

पानी की कमी आज पर्वतीय कृषि ही नहीं यहाँ के निवासियों के लिए भी समस्या बन चुकी है। लगभग 95 प्रतिशत पर्वतीय कृषि वर्षा पर आधारित है। अगर समय पर बारिश हो गई तो ठीक, नहीं तो फसल खत्म ही समझो। विगत कई वर्षों से यही हो रहा है। ऐसी नदियाँ जो कभी सालों भर लबालब भरी रहती थीं, वह अब बरसाती नालों में तबदील हो गई हैं। स्थानीय प्राकृतिक जल स्रोत सूखने की कगार पर पहुँच गए हैं। आलम यह है कि लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ऐसे में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कितना कठिन हो गया है, इसका केवल अंदाजा ही लगाया जा सकता है। 90 की दशक के आखिरी वर्षों में जब उत्तराखण्ड को एक पहाडी राज्य के रूप में अलग राज्य बनाने की कवायद अपने चरम पर थी, कुछ स्थानीय और बाहरी लोगों ने यहाँ जमीनों की खरीद फरोख्त का काम प्रारम्भ कर दिया। औने-पौने दामों पर जमीने बेची और खरीदी गई। इसमें ऊंचाई वाले इलाकों की जमीनें भी शामिल थीं। उत्तराखण्ड राज्य के गठन के बाद इस काम में एक बडा उछाल आ गया। बाहरी राज्यों के लोगों को यहाँ की प्राकृतिक सुन्दरता और वातावरण काफी पसंद आने लगी। इसी के साथ इन बिकी जमीनों में कंक्रीट के जंगल उगने लगे, आलीशान होटलों और कोठियों का निर्माण होने लगा। इस प्रकार के अनियंत्रित निर्माण ने उन प्राकृतिक जल स्रोतों एवं नदियों के जलागम क्षेत्रों को प्रभावित करना शुरू कर दिया जिससे यह रीचार्ज होते हैं। इसके साथ ही इन जमीनों के आस-पास के जल स्रोतों पर उन बाहरी लोगों ने अधिकार स्थापित करना प्रारम्भ कर दिया जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति होती थी। कंक्रीट के कारण बारिश का पानी जमीन के अंदर न जाकर ऊपरी रूप में बह जाता है। दूसरी ओर असीमित उपयोग से भूमिगत स्रोत लगातार सूखते जा रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि आखिर इस समस्या का समाधान क्या है?

पाकिस्तान का पानी रोकने के लिए पंजाब सरकार ने केंद्र से मांगे 412 करोड़ रुपये

धर्मपाल वर्मा/एनबीएस

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने भारतीय नदियों का पानी पाकिस्तान को जाने से रोकने के लिए एक बांध बनाने हेतु बुधवार को केंद्र सरकार से 412 करोड़ रुपये की मांग की।

प्रदेश सरकार ने केंद्र से रावी-उज्ज नदियों पर मकोरा पाटन में बांध निर्माण को राष्ट्रीय परियोजना के रूप में मान्यता प्रदान करने की मांग की। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ नई दिल्ली में बुधवार को एक बैठक में पंजाब के ग्रामीण विकास व पंचायत मंत्री त्रिपत राजिंदर सिंह बाजवा और जल संसाधन मंत्री सुखबिंदर सिंह सरकारिया ने कहा कि बांध का निर्माण होने से पाकिस्तान को मिलने वाले 600 क्यूसेक पानी को रोका जा सकता है। उन्होंने गडकरी को बताया कि इस पानी को कालानौर-रामदास कैनाल प्रणाली में ले जाने के लिए सात किलोमीटर लंबी नहर बनानी होगी। इस पानी का इस्तेमाल एक लाख एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए किया जाएगा। इस परियोजना से प्रदेश सरकार 100 गांवों और छह शहरी इलाकों को स्वच्छ पेयजल मुहैया करवाने में सक्षम होगी। गडकरी ने प्रदेश सरकार को निर्माण से पहले सभी तकनीकों का अध्ययन करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सौंपने को कहा।

पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने यहां कहा, (प्रदेश के) मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री से इसे राष्ट्रीय परियोजना के रूप में मंजूरी प्रदान करने की अपील की और परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए निधि जारी करने को कहा ताकि पाकिस्तान को पानी रोका जाए।

सिर्फ बीजेपी ही सही मायने में कर रही है देश का विकास : योगी आदित्यनाथ

कानपुर/प्रतापगढ़, एनबीएस/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर और प्रतापगढ़ में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास तथा लोकार्पण करने के बाद कहा कि सिर्फ बीजेपी ही सही मायने में देश का विकास कर रही है। योगी ने प्रतापगढ़ में 271।70 करोड की लागत से निर्मित होने वाले मेडिकल कालेज सहित 58 परियोजनाओं का शिलान्यास और 1239 करोड की सात परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद जनसभा में कहा कि सिर्फ बीजेपी ही असल मायनों में विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में 13 नए मेडिकल कालेज, तीन एम्स और एक कैंसर संस्थान के निर्माण की मंजूरी दी है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया। एक गरीब की पीडा गरीब ही जान सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों को 55 हजार करोड रुपया का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रतापगढ जिले के ग्रामीण क्षेत्रो में 52451, नगरीय क्षेत्रों में 1958 आवास, सौभाग्य योजना के अंतर्गत एक लाख 15 हजार 509 विद्युत् कनेक्शन, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एक लाख 80 हजार गैस कनेक्शन ,स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 3 लाख 14 हजार शौचालय और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख के मुफ्त इलाज से लोंगों को लाभान्वित किया गया है।

21 विपक्षी दलों ने की वायुसेना की तारीफ, दोहराया सेना के प्रति एकजुटता का संकल्प

पवन अत्री/एनबीएस

नई दिल्ली। कांग्रेस समेत देश के 21 विपक्षी दलों ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी शिविर पर वायुसेना की कार्रवाई की तारीफ करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता प्रकट की, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलवामा हमले के बाद सत्ताधारी दल के नेताओं ने जवानों के शहादत का राजनीतिकरण किया जो गंभीर चिंता का विषय है।

भारत और पाकिस्तान सीमा पर तनावपूर्ण हालात के बीच कांग्रेस और कई अन्य विपक्षों की दलों की बैठक हुई। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद की निंदा की गई। विपक्षी दलों ने कहा कि वे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में अपने सशस्त्र बलों एवं सेना के प्रति एकजुटता का संकल्प दोहराते हैं। पुलवामा आतंकी हमले के बाद सत्ताधारी दल के नेताओं ने जवानों की शहादत का राजनीतिकरण किया जो गंभीर चिंता का विषय है। इस बैठक में यूपीए प्रमुख सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल, एके एंटनी एवं गुलाम नबी आजाद, तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा महासचिव सुधाकर रेड्डी, लोकतांत्रिक जनता दल के शरद यादव, बीएसपी के सतीश चंद्र मिश्रा और आरजेडी के मनोज झा शामिल हुए।

सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच शोपियां में मुठभेड़

जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी ढेर

रंजन चौहान/एनबीएस

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों बीच हुई मुठभेड़ में एक पाकिस्तानी नागरिक समेत जैश-ए-मोहम्मद के दो दहशतगर्द मारे गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद शोपियां जिले के मीमेन्दर इलाके में खोज एवं तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई के साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। प्रवक्ता ने बताया, ''मुठभेड़ स्थल से उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। दोनों का संबंध प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है।'' एक मृत आतंकी की पहचान सुहैल नज़ीर मीर के तौर पर हुई है। वह शोपियां के सैयदपुरा पयीन इलाके का रहने वाला था, जबकि दूसरा दहशतगर्द पाकिस्तानी है। अधिकारी ने कहा, '' पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, वे आतंकी हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने में शामिल थे और सुरक्षा प्रतिष्ठानों तथा नागरिकों पर अत्याचार समेत विभिन्न आतंकी अपराधों में संलिप्तता को लेकर वांछित थे।''

उन्होंने बताया, ''दोनों के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को लेकर कई मामले दर्ज थे।'' उन्होंने बताया कि इस अभियान में कोई जान-ओ-माल का नुकसान नहीं हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन कर रही है।

दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर को हमसे अलग नहीं कर सकती : गृहमंत्री

कहा- कश्मीर हमारा था हमारा है और हमारा रहेगा

सुनील वजपेयी/एनबीएस

बिलासपुर। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान लगातार भारत को तोड़ने की कोशिश करता रहा है लेकिन हमारे जवानों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कश्मीर हमारा था हमारा है और हमारा रहेगा, दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर को हमसे अलग नहीं कर सकती है।

राजनाथ सिंह ने बुधवार को राज्य के बिलासपुर शहर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देखा हमारे जवानों ने कैसे करिश्माई काम किया है। गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान, भारत को तोड़ने की नापाक कोशिश करता रहा है।

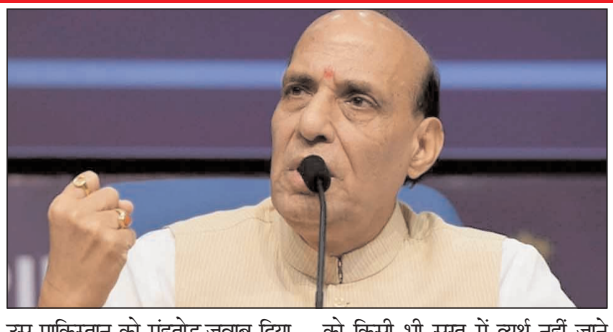

उस पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। हमारे जवानों ने उनकी (पाकिस्तान की) धरती पर जाकर वहां जो आतंकवादी ठिकाने चलाए जा रहे थे उन्हें ध्वस्त करने में कामयाबी हासिल की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पुलवामा में जो कुछ भी हुआ है उसे लेकर हमारे प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कह दिया था कि हम अपने जवानों के बलिदानों को किसी भी सूरत में व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हमारे एयर फोर्स के जवानों ने जो शौर्य का काम किया है, उसे आपने बहुत जल्द देख लिया। हमारे एयर फोर्स के जवानों ने वहां के आतंकवादी ठिकानों का खात्मा किया। एक भी पाकिस्तान के नागरिक की जान नहीं जाने दी। पाकिस्तान की सेना के ऊपर भी कोई आक्रमण नहीं किया गया। हमारे एयर फोर्स के जवानों ने पूरी सावधानी बरती है। फिर भी पाकिस्तान की पूरी कोशिश है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय जगत में बदनाम किया जाए। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह (केंद्र) सरकार कोई कमजोर सरकार नहीं है। भारत कमजोर भारत नहीं रहा है, यह दुनिया का ताकतवर देश बन गया है। हमारे प्रधानमंत्री ने जो आपको आश्वस्त किया है कि हम देश का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे। जो भी करना पड़े हमारी सरकार करेगी लेकिन भारत माता का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बार बार भारत, पाकिस्तान से यह अपील करता था कि आतंकवाद आपके घर में है। आतंकवाद को संरक्षण देने का काम पाकिस्तान करता है। लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बार-बार यह कहते थे कि हम भी आतंकवाद के शिकार हैं।

अवमानना चलाने को लेकर सीबीआई की दलीलें अधूरी, 26 मार्च को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, एनबीएस/एजेंसी। शारदा चिटफंड जांच में बाधा डालने के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मलय कुमार डे, पुलिस महानिदेशक वीरेंद्र कुमार और कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के खिलाफ सीबीआई की अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीबीआई ने अवमानना चलाने को लेकर जो दलील पेश की है वो अधूरी है। ऐसे में सीबीआई डायरेक्ट खुद दो हफ्ते में हलफनामा दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई 26 मार्च को होगी। पश्चिमी बंगाल चीफ सेक्रेट्री मलय डे, वीरेन्द्र कुमार, कोलकाता कमिश्नर राजीव कुमार ने अवमानना नोटिस के जवाब में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कोर्ट से बिना शर्त माफी की मांग की है। पिछली सुनवाई में सीबीआइ की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राजीव कुमार को सीबीआई के सामने पेश होना पड़ेगा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि फिलहाल उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी।

NBS TV INDIA

एनबीएस को संवाददाता चाहिएं

हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, झारखंण्ड एवं गुजरात प्रदेश में जिला एवं ब्लॉक स्तर पर संवाददाताओं की आवश्यकता है।

बायोडाटा मेल करें। nbsadvt@gmail.com
www.nbsmediagroup.com

सम्पर्क सूत्र : 9990108249

www.fb.com/nbstvindia www.fb.com/nbstvindia